

## **B.Tech ,1st year 2019 (Induction Programme)**

### **Report**

First Year Induction Program was organised on 21<sup>st</sup> August'2019. Around 300 students were participated in the induction program. In the program, Hon'ble Vice Chancellor Prof. Anjila Gupta addresses the first year students and given brief idea about NSS, Anti-ragging cell, Counseling psychology centre, Swacchhata Pakhwada etc. Prof. Shailendra Kumar, Registrar, Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur, provided wonderful career guidance for our B.Tech 1<sup>st</sup> Year students. Prof. P P Murty, motivated the students by uplifting the capabilities of the students under the marks of career counselling, induction to new college from school life and for making awareness about different departments and section of the university. Prof, V S Rathore, Chief Proctor, brief about about code of conduct for students.

# छात्रों को पहले खुद को जानने की आवश्यकता आगे बढ़ने स्वयं से प्रेम करना होगा: डॉ. मूर्ति

एजुकेशन रिपोर्टर | विलासपुर

सीयू में अभियांत्रिकी एवं पौद्योगिकी अध्ययनशाला के बीटेक प्रथम वर्ष एवं कला अध्ययनशाला के स्नातक एवं स्नातकोत्तर में नवप्रवेशित छात्रों का परिचयात्मक सत्र बुधवार को हुआ। कुलपति प्रो. अजिला गुप्ता ने परिचयात्मक सत्र आयोजित करने निर्देश दिया था। परिचयात्मक सत्र में छात्रों को एनएसएस, एंटी रैगिंग सेल, मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र, उन्नत भारत अभियान, स्वच्छता अभियान, उड़ान, अभिनर्तन, अर्चन व अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई।



कुलसचिव प्रो. शैलेन्द्र ने कहा कि छात्र को किसी भी तरह की समस्या हो तो वे शिक्षक, विभागाध्यक्ष, अधिष्ठाता छात्र कल्याण या एंटी रैगिंग, शिकायत निवारण समिति से संपर्क कर सकते हैं। डॉ. पीपी मूर्ति ने कहा कि छात्रों को सबसे पहले खुद को जानने की आवश्यकता है। आगे बढ़ने के लिए स्वयं से प्रेम करने की आवश्यकता है। प्रभारी अधिष्ठाता राजेश भूषण ने कहा कि छात्र

कक्षाओं में नियमित रहें, क्योंकि यहाँ 75 प्रतिशत उपस्थिति का नियम है, जिसका उन्हें पालन करना चाहिए। प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा ने छात्रों को सलाह दी कि अगर आपके मन में कोई नकारात्मक विचार आता है तो उसे दूसरे व्यक्ति के साथ साझा जरूर करना चाहिए ताकि मन हल्का हो जाए। कुलानुशासक प्रो. वीएस राठी ने अनुशासन संबंधी नियमों की जानकारी दी।